जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

21 मार्च 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने मनाया 'विश्व समाज कार्य सप्ताह 2024'

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के समाज कार्य विभाग ने वैश्विक विषय 'ब्यून विविर: शेयर्ड फ्यूचर फॉर ट्रांस्फोरमेटिव चेंज' पर सार्थक पहल की एक श्रृंखला के साथ विश्व समाज कार्य सप्ताह मनाया।

समारोह की शुरुआत 19 मार्च 2024, विश्व समाज कार्य दिवस पर व्यवहार में समावेशी विकास: परिवर्तनकारी परिवर्तन कैसे लाएँ विषय पर एक सम्मोहक पैनल चर्चा के साथ हुई। डॉ. नगमा आबिदी, इंडियन स्कूल ऑफ डेवलपमेंट मैनेजमेंट और श्री महताब आलम, नेशनल फाउंडेशन फॉर इंडिया ने संवाद का नेतृत्व किया। समाज कार्य विभाग की प्रमुख प्रोफेसर नीलम सुखरामनी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे समाज कार्य दिवस स्वदेशी ज्ञान और स्थिरता के सिद्धांतों पर आधारित समुदाय के नेतृत्व वाले दृष्टिकोण के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए व्यवसायों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

डॉ. हेम बोरकर ने दक्षिण अमेरिका की स्वदेशी संस्कृतियों में निहित ब्यून विविर के विचार को पेश किया, जिसमें मानव और प्रकृति के बीच सामंजस्य के माध्यम से सामूहिक कल्याण, एकजुटता का निर्माण और विकास के वैकल्पिक प्रतिमान बनाने पर जोर दिया गया। दोनों पैनलिस्टों ने छात्रों के साथ जीवंत और स्पष्ट चर्चा की, जिसमें समावेशी विकास और परिवर्तनकारी परिवर्तन के बारे में अभ्यासकर्ताओं का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया। डॉ. नगमा ने परिवर्तन लाने और सही अर्थों में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए स्थानीय लोगों के साथ सह-डिजाइनिंग और सह-निर्माण नीति के महत्व को रेखांकित करने के लिए क्षेत्र की प्रथाओं का हवाला दिया। गंभीर मुद्दों को संबोधित करने के लिए उन्हें सिस्टम के चश्मे से देखने की आवश्यकता है। जबकि सामाजिक परिवर्तन राज्य, बाज़ार और समाज की परस्पर क्रिया से प्रभावित होता है, विभिन्न विचारधाराओं पर बातचीत करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।
श्री महताब आलम ने इस बारे में बात की कि विविधता के बिना एक साझा भविष्य कैसे अकल्पनीय है, जो केवल विविध कार्यबल को काम पर रखने के बारे में नहीं है बल्कि विविध अनुभवों और मानसिकता को शामिल करने के बारे में है। उन्होंने सम्पूर्ण विकास लाने के लिए शब्दजाल को खत्म करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। एमएसडब्ल्यू और बीएसडब्ल्यू के छात्रों और पीएचडी शोधार्थियों ने सक्रिय रूप से इंटरैक्टिव सत्र में भाग लिया, जो इस नतीजे के साथ संपन्न हुआ कि परिवर्तनकारी परिवर्तन होने के लिए इसे सभी तीन स्तरों पर होना चाहिए - व्यक्तिगत स्तर पर, बड़े इकोसिस्टम में, और नीति और कानूनी ढाँचे में। सत्र में विभाग के पूर्व छात्रों की भी भागीदारी देखी गई जो सत्र में ऑनलाइन शामिल हुए।

इसके बाद लैंगिक समानता के विषय पर बैचलर ऑफ सोशल वर्क के छात्रों द्वारा 'थोड़ा समझौता' नामक एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। सशक्त आख्यानों और जीवंत चित्रणों के माध्यम से प्रदर्शन ने महिलाओं के संघर्षों और उन असंख्य तरीकों को मार्मिक ढंग से चित्रित किया, जिनमें महिलाएं स्थापित लैंगिक मानदंडों और सामाजिक अपेक्षाओं के कारण अपने अधिकारों, आकांक्षाओं और गरिमा से समझौता करती हैं। विभाग के पूर्व छात्र और थिएटर प्रशिक्षक जमाल सिद्दीकी की देखरेख में छात्रों द्वारा लिखित और प्रदर्शन ने न केवल जागरूकता बढ़ाई, बल्कि सार्थक बातचीत को भी बढ़ावा दिया और सभी जेंडर के लिए एक अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण समाज बनाने की दिशा

में कार्रवाई को प्रेरित किया। प्रोफेसर रवीन्द्र रमेश पाटिल के नेतृत्व में फील्ड वर्क टीम ने इस आयोजन का नेतृत्व किया था।

20 मार्च को पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता विषय संघ के रूप में केंद्र स्तर पर रही, समाज कार्य विभाग ने चित्रकला विभाग, ललित कला संकाय, जेएमआई के साथ मिलकर पर्यावरणीय स्थिरता, प्रौद्योगिकी और समाज कार्य, रिश्तों का महत्व और बुजुर्गों का मूल्य, और स्वास्थ्य गरिमा आदि विषयों पर सुंदर कलाकृतियाँ प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्रों की अपार प्रतिभा और रचनात्मकता को प्रदर्शित करते हुए कलात्मक अभिव्यक्ति और सामाजिक चेतना का मिश्रण देखा गया। सभी प्रतिभागियों को दोनों विभागों के अध्यक्ष, सुश्री मोइन फातिमा (पेंटिंग विभाग) और प्रोफेसर नीलम सुखरामनी (समाज कार्य विभाग) और जजों से पुरस्कार प्राप्त हुए। कार्यक्रम का संचालन विषय एसोसिएशन की प्रभारी डॉ. सारिका तोमर ने किया। समाज कार्य विभाग और छात्र वोलेंटीयर मोहम्मद कामरान, तकदीर हुसैन, अमीषा झा और कई अन्य कार्यक्रम में सहयोग किया।

समाज कार्य सप्ताह के कार्यक्रमों की श्रृंखला में छात्रों, शोधार्थियों, पूर्व छात्रों और संकाय सदस्यों की समान रूप से भागीदारी देखी गई, जो समाज कार्य विभाग की पेशे और आदर्श के मूल्यों के प्रति स्थायी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया